



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1971 (श्रावण 9, 1893)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1971 (SRAVANA 9, 1893)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 8 फरवरी 1971 तक प्रकाशित किये गये हैं :
The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to 8th February 1971 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

शून्य
-NIL-

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के तम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी ।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए ।

Copies of the Gazette Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 695	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)— रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3561
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1069	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	535
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	73	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	969
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	815	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	277
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	95
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	1857
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2589	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	143
		पूरक संख्या 30—	
		17 जुलाई 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बंधी साप्ताहिक रिपोर्टें	1239
		26 जून 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु सम्बन्धी आंकड़े	1149

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 695	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE 3561
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1069	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	535
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	73	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	969
PART I—SECTION 4.—Notification regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	853	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	277
PART II—SECTION 1.—Arts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	95
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1857
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2589	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	143
		SUPPLEMENT No. 30	
		Weekly Epidemiological Reports for weeks ending 17th July 1971	1239
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 26th June 1971	1149

भाग I—खण्ड 1

(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1971

सं० 38-प्रेज-71—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कन्हैया लाल मिश्रा,

पुलिस उप-निरीक्षक,

जिला छतरपुर,

मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

श्री कन्हैया लाल मिश्रा भगवान पुलिस थाने पर थाना अधिकारी के रूप में तैनात थे। साधियों सहित कुख्यात डाकू नन्हई सिंह की उपस्थिति के बारे में उन्हें 1 मई 1970 के दिन कोई 12 बजे सूचना मिली। उपलब्ध पुलिस दल को साथ लेकर श्री मिश्रा उस स्थान की ओर रवाना हुए जहां डाकू छिपे हुए थे। वहां पहुंच कर उन्होंने दल को तीन टुकड़ियों में बांटा। दल नं० 1 ने, जिसका नेतृत्व श्री मिश्रा कर रहे थे, कलारा नाले की तलाश करने का काम संभाला। नाले की छानबीन करते हुए श्री मिश्रा और उनके साथी ऐसे स्थान तक पहुंच गए जहां से डाकुओं के छिपने की जगह केवल 50 गज की दूरी पर थी। डाकुओं ने पुलिस पर गोली चलाई और भाग निकलने का प्रयत्न करने लगे। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए और बिना किसी बचाव साधन के अपने ऊपर गोलियों की बौछार होते हुए भी श्री मिश्रा ने डाकुओं का पीछा किया और डाकू नन्हई सिंह और उसके दल के अन्य दो डाकुओं को गोली से मार गिराया। इस कार्यवाही में उन्होंने एक और डाकू को भी पकड़ लिया।

इस मूठभेड़ में श्री कन्हैया लाल मिश्रा ने साहस और कर्तव्य-परायणता का पूरा परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 मई 1970 से दिया जायेगा।

सं० 39-प्रेज-71—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रामचन्द्र यादव,

पुलिस निरीक्षक,

बाड़ी, जिला धौलपुर,

राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

महाराज सिंह गूजर पहले तो छोटी मोटी चोरियां करता रहा। फिर कुछ समय बाद उसने जिला सवाई माधोपुर और उसके आस-पास के राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में डाके डालने तथा अपहरण करने शुरू कर दिए। वह शीघ्र ही कुख्यात डाकू बन गया और इन जिलों में उसने अपना आंतक फैला दिया। जून 1970 में महाराज सिंह ने मुख्य मार्ग पर एक बस में से दो बनियों का अपहरण किया और उनकी रिहाई के लिए भारी रकम मांगी। इस घटना से जनता बड़ी आतंकित हो उठी। पुलिस अधीक्षक श्री नारायण सिंह ने इस डाकू का सफाया करने का काम अपने हाथ में लिया। इस कार्य में सहायता लेने के लिए उन्होंने पुलिस निरीक्षक श्री रामचन्द्र यादव को चुना।

27 जुलाई को श्री रामचन्द्र यादव को सूचना मिली कि डाकू महाराज सिंह वैदपुरा गांव के निकट घने जंगल में मौजूद है। श्री रामचन्द्र यादव वैदपुरा गांव की ओर चल दिये और वहां उन्होंने देखा कि संयोगवश डाकू महाराज सिंह राशन लेने के लिए वहां आया हुआ है। महाराज सिंह ने तुरन्त मोर्चा संभाला और पुलिस दल डराने के उद्देश्य से गोली चलानी शुरू कर दी। श्री यादव ने भी अपना मोर्चा संभाला और जवाब में गोली चलाई। इस आकस्मिक आक्रमण से स्तब्ध रह जाने पर भी श्री यादव ने अपना मानसिक सन्तुलन नहीं खोया और डाकू महाराज सिंह की गोलियों का जवाब गोली से दिया। गोली चलते समय श्री यादव एक पेड़ के तने की आड़ में थे और पुलिस दल के अन्य व्यक्ति उनकी अगल-बगल में थे। श्री यादव फिर एक ऐसी असुरक्षित जगह तक रंगते हुए पहुंचे जहां से डाकू सामने तज़र आता था। खतरे की तनिक भी परवाह न करते हुए उन्होंने डाकू पर गोली चलाई और उसे मार गिराया।

इस मुठभेड़ में श्री रामचन्द्र यादव ने उदाहरणीय वीरता का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 जुलाई 1970 से दिया जायेगा।

सं० 40-प्रेज-71—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अमिताभ गुप्त,
पुलिस अधीक्षक,
सवाई माधोपुर,
राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

हत्या, डकैती, लूट तथा अपहरण के कई मामलों में पुलिस डाकू महाराज सिंह के साथी डाकू दौलतिया की खोज में थी। महाराज सिंह के गिराव द्वारा उठाये गये दो अपहृत बच्चे जुलाई, 1970 में डाकू महाराज सिंह की मृत्यु के बाद दौलतिया के कब्जे में थे। इन बच्चों का अपहरण धौलपुर तथा भरतपुर के बीच चलने वाली एक बस से दिन दहाड़े मुख्य मार्ग पर किया गया था। श्री अमिताभ गुप्त जब वह करोली गांव में दौरे पर थे तो उन्हें सूचना मिली कि दौलतिया उनके जिले के मसालपुर क्षेत्र में प्रवेश करने वाला है। अगले दिन सूचना मिली कि दौलतिया अपहृत बच्चों को मारने की योजना बना रहा है। श्री गुप्त उपलब्ध पुलिस दल को साथ ले डाकू की तलाश में चल दिए। 30 जुलाई 1970 को पुलिस दल प्रातः लगभग 3.00 बजे लखीमपुर घाटी गांव में पहुंचा। उन्होंने गाड़ियां वहीं छोड़ दीं और आगे पैदल चलने लगे क्योंकि गाड़ियों की रोगनी से डाकू सतर्क हो सकते थे। लगभग 4 मील की दूरी तय करने के बाद पुलिस दल को कुछ फुसफुसाहट सुनाई दी। यह फुसफुसाहट डाकू दौलतिया और अपहृत दो बच्चों की ही लगती थी तथा पुलिस ने उस स्थान पर घेरा डाल दिया। दौलतिया ने पुलिस के संचरण को भांप लिया और मोर्चा संभाला। श्री गुप्त रेंगते हुए डाकू की ओर बढ़े और जब वे उससे केवल 25 कदम की दूरी पर थे तो दौलतिया ने अपनी स्वचालित कारबाइन से उनकी ओर गोली चला दी किन्तु श्री गुप्त अविचलित रहे और उन्होंने अपनी बन्दूक से दो गोलियां चलाई जो डाकू की छाती में लगीं।

इस कार्यवाही में श्री अमिताभ गुप्त ने बड़ी वीरता तथा साहस का प्रदर्शन किया और एक क्रूर अपराधी का सफाया कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है।

सं० 41-प्रेज-71—राष्ट्रपति मणिपुर राइफल्स के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रामप्रसाद टाटी,

राइफलमैन सं० 2798,

2री बटालियन, मणिपुर राइफल्स,

इम्फाल,

मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

31 जुलाई, 1970 को सूचना मिली कि विरोधियों का एक गिराव उखरूल उप-मण्डल के एक गांव में घने जंगलों में पड़ाव डाले हुए है और सुरक्षा दल पर आक्रमण करने तथा छिपकर गोली चलाने की योजना बना रहा है। 3 अगस्त, 1970 की शाम को मणिपुर राइफल्स की एक टुकड़ी को विरोधियों पर आक्रमण करने के लिए नियुक्त किया गया। जब पुलिस दल की गाड़ियां विरोधियों के निभूत स्थान से कुछ दूर थी, तो पुलिस दल ने अपनी गाड़ियां खड़ी कर दीं और पैदल चलना शुरू किया। घने जंगलों के बीच निकलने के बाद जब पुलिस दल विरोधियों के शिविर के पास पहुंचा तो उन्होंने स्वयं को तीन दलों में विभाजित कर लिया। श्री राम प्रसाद टाटी आक्रमण करने वाले दल का सदस्य था। अन्य दो दलों को गिराव को घेरने के उद्देश्य से दायें व बायें ओर से बढ़ना था। जब यह दल मुश्किल से कोई 100 गज आगे बढ़ा होगा तो श्री राम प्रसाद ने स्वयं को विरोधियों के शिविर के दायरे में उनके संतरी सन्मुख खड़ा पाया। दृश्यता कम होने के कारण वे दोनों एक दूसरे को पहले नहीं देख पाये। श्री राम प्रसाद को देखते ही विरोधियों के संतरी ने अपनी राइफल तानी और उसकी ओर निशाना किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री राम प्रसाद संतरी की ओर तेजी से दौड़ा और उससे गुत्थमगुत्था हो गया। संतरी और श्री राम प्रसाद की हाथापाई से हुई आवाज के परिणामस्वरूप विरोधी भाग खड़े हुए। पुलिस टुकड़ी ने विरोधियों के शिविर से कई दस्तावेज और भारी मात्रा में हथियार व गोला बारूद बरामद किये।

इस मुठभेड़ में श्री राम प्रसाद टाटी ने विरोधियों के संतरी का सामना करने में उत्कृष्ट साहस का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 4 अगस्त, 1970 से दिया जायेगा।

सं० 42-प्रेज-71—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं।

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री इन्दर सिंह,

सूबेदार,

8वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल।

श्री करण बहादुर,

कम्पनी हवलदार मेजर सं० 9040,

8वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल।

सेवाओं का धिक्करण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

जुलाई 1969 में मणिपुर के सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में विरोधियों की गतिविधियों को रोकने के लिए, जो बन्दूक दिखा कर ग्राम-वासियों से धन तथा संपत्ति लूट रहे थे, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की आठवीं बटालियन की एक प्लाटून को मारम में तथा दो प्लाटून लाखोमेई में तैनात की गई थीं। 5 जुलाई 1969 की रात्रि को एक मात्र इस पुलिस चौकी को समाप्त करने के लिए विरोधियों ने आक्रमण का आयोजन किया। घने कोहरे के कारण विरोधी पुलिस चौकी के समीप ग्रेनेड फेंक सकने की दूरी तक पहुंच गए। विरोधियों की सन्देहपूर्ण गतिविधि के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त होने पर श्री इन्दर सिंह ने अपने आदमियों को उठे रहने को कहा जबकि वह स्वयं सन्तरी के स्थान की ओर गए। इस समय तक विरोधियों ने चौकी को तीनों तरफ से घेर लिया था और स्वचालित हथियारों से गोली चला दी और हथगोले फेंके। परन्तु श्री इन्दर सिंह अचिंचलित रहे और वह एक मोर्चे से दूसरे में जा जा कर गोलीबारी का निर्देश और नियंत्रण करते हुए अपनी सुरक्षा की चिन्ता किये बिना अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते रहे। श्री इन्दर सिंह अपूर्व साहस और शौर्य के कारण ही विरोधी पीछे हट गए। इस मुठभेड़ में श्री करण बहादुर को आन्तरिक परिधि में प्रत्येक आदमी के पास जाकर यह सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने नियत स्थान की सुरक्षा के लिए मोर्चे पर उठा रहे। श्री करण बहादुर ने दिए गए कार्य को निर्भीकता से किया और उस रात्रि को पुलिस चौकी के कुछ व्यक्तियों के वहां न रहने के कारण बड़ा विवेकपूर्ण समायोजन किया। वह दुश्मन की गोली की बौछार के आगे अधीर न हुए और अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए एक मोर्चे से दूसरे मोर्चे पर जाते रहे। उन्होंने विरोधियों को धोखा देने के लिए ऊंचे स्वर में उन पर हमला करने के वनावटी आदेश भी दिए।

इस मुठभेड़ में श्री इन्दर सिंह तथा श्री करण बहादुर ने प्रशंसनीय साहस और वीरता का प्रदर्शन किया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 जुलाई 1969 से दिया जायेगा।

नागेन्द्र सिंह,
राष्ट्रपति के सचिव

विदेश व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1971

संकल्प

सं० 4(65) टैक्स (सी०)/70—भारत सरकार ने श्री रहमतुल्ला अंसारी, बाकराबाद, बाराणसी (उत्तर प्रदेश) को अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड में, जो 19 मई, 1969 को भारत के असाधारण राजपत्र भाग I खंड 1 में प्रकाशित, भारत सरकार के

भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय के संकल्प सं० 4 (27) टैक्स (सी०)/69 दिनांक 17 मई, 1969 के अंतर्गत पुनर्गठित किया गया था, सदस्य के रूप में नामित करने का विनिश्चय किया है।

2. सदस्य का नाम उपरोक्त संकल्प में क्रम संख्या 36 पर जोड़ा गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि एक-एक प्रति संकल्प की सभी संबद्धों को भेजी जाये।

एच० के० बंसल, उप-सचिव

इस्पात तथा खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1971

संकल्प

इस्पात उद्योग में पिछले कुछ वर्षों में रेल के पुराने इंजन को बदलने तथा वर्तमान क्षमता में विस्तार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये अपचालन इंजनों की आवश्यकता में लगातार वृद्धि हुई है और इस्पात विकास कार्यक्रम को देखते हुए अगले कुछ वर्षों में इसमें काफी वृद्धि होने की आशा है।

अब तक इस्पात कारखाने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये अधिकतया निर्यात पर निर्भर रहे हैं। देश में शंटिंग इंजनों के निर्माण की क्षमता में लगातार उन्नति के साथ-साथ यह आवश्यक है कि भावी आवश्यकतायें अधिकाधिक मात्रा में देशीय स्रोतों से ही पूरी की जायें।

इससे न केवल विदेशी मुद्रा में काफी बचत होगी बल्कि फाल्तु पुर्जों की सूचियों को कम करने में भी सहायता मिलेगी। इन बातों को देखते हुए सरकार ने इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपयुक्त अश्व शक्ति सीमाओं में इंजनों के मानकीकरण की समस्या का अध्ययन करने के लिये तकनीकी समिति का संगठन करने का निर्णय किया है। समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :—

(क) इस बात का सही-सही अनुमान लगाना कि सन् 1974 से लेकर 10 वर्ष की अवधि में वर्तमान इस्पात कारखाने की सामान्य प्रतिस्थापन तथा प्रस्तावित विस्तार के लिये भिन्न-

भिन्न अव-शक्ति के कितने इंजनों की आवश्यकता होगी तथा दक्षिण-क्षेत्र में स्थापित किये जाने वाले नये इस्पात कारखानों की क्या आवश्यकता होगी।

(ख) इस्पात उद्योग में परिचालन की विशेष अवस्था को ध्यान में रखते हुए (जिसमें इस बात को भी ध्यान में रखा जायगा कि डीजल हाइड्रोलिक अथवा डीजल इलेक्ट्रिक इंजनों का प्रयोग होगा) इंजनों के लिये उपयुक्त तकनीकी विशिष्टियां तैयार करना।

(ग) इस्पात उद्योग के लिये शंटिंग इंजनों के निर्माण के लिये देश में उपलब्ध वर्तमान अधिष्ठापित क्षमता का मूल्यांकन करना तथा क्षमता में यथावश्यक हद तक वृद्धि करने के लिये ठोस प्रस्तावों की सिफारिश करना।

(घ) इस विषय से संबंधित अन्य कोई मामला।

2. समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

अध्यक्ष

1. अतिरिक्त सदस्य (यांत्रिक)
रेलवे बोर्ड

सदस्य तथा वैकल्पिक अध्यक्ष

2. श्री टी० सी० पन्त,
निदेशक मानक (यांत्रिक)
अन्वेषण रूपांकन तथा मानक संस्था रेलवे
मंत्रालय, लखनऊ।

सदस्य

3. श्री एन० पदमानाभन,
निदेशक मानक (वैद्युतिक),
अन्वेषण रूपांकन तथा मानक संस्था।
4. श्री के० एस० रामस्वामी,
प्रधान यांत्रिक इंजीनियर,
चित्तरंजन लोकोमोटिव।
5. श्री बी० आपु राय,
निदेशक (उत्पादन),
हिंदुस्तान स्टील लिमिटेड, रांची।
6. श्री के० एन० वैकटेश्वरन,
मुख्य परिवहन प्रबंधक,
बोकारो स्टील लिमिटेड,
बोकारो।
7. श्री बी० पी० विद्यार्थी,
डीजल संधारन इंजीनियर,
टाटा आयरन ऐंड स्टील कंपनी लि०,
जमशेदपुर।
8. श्री जे० ए० देशपांडे,
विकास इंजीनियर,
इंडियन आयरन ऐंड स्टील कंपनी लि०,
बर्नपुर।

9. श्री एम० ए० सूरी,
औद्योगिक सलाहकार,

10. श्री एन० टी० गोपालाथ्यांगार
औद्योगिक सलाहकार,
तकनीकी विकास महानिदेशालय,
सदस्य सचिव

11. श्री एम० रामजी,
उपसचिव,
इस्पात और खान मंत्रालय,
इस्पात विभाग।

समिति गीघ्रातिशीघ्र परन्तु 31 दिसम्बर, 1971 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।

आदेश

सं० कं० 4 (14)/71—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाय। यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत सरकार के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिये प्रकाशित किया जाय।

के० बी० रामनाथन, संयुक्त सचिव

औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1971

संकल्प

सं० 20-4/70 एच० ई० एम०—इस मंत्रालय के संकल्प सं० 20-4/70-एच० ई० एम०, दिनांक, 16 मार्च, 1970 के संदर्भ में जो वैद्युत उद्योग, भोपाल के अनुसंधान तथा विकास संगठन के अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रम के कार्यक्रमलाप की समीक्षा करने तथा उस पर परामर्श देने के लिये गठित की गई समिति के बारे में है।

2. चूंकि श्री बी० डी० पांडे, सचिव, औद्योगिक विकास ने इस मंत्रालय में इस पद का कार्य भार छोड़ दिया है अतः श्री बी० बी० लाल, सचिव, औद्योगिक विकास मंत्रालय को श्री बी० डी० पांडे के स्थान पर उक्त समिति का अध्यक्ष नामित किया जाता है।

न० जा० कामत, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक, 9 जुलाई 1971

संकल्प

सं० 07011/1/70-साल्ट—भारत सरकार ने, भूतपूर्व औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्रालय के संकल्प सं० 9(1)/67 साल्ट, दिनांक 14 जून, 1968 का अधिलंघन करते हुए, नमक की केन्द्रीय तथा प्रादेशिक सलाहकार परिषद का पुनर्गठन करने का निश्चय किया गया है। केन्द्रीय परिषद का कार्य नमक उपकर अधिनियम, 1953 की धारा 3 के अधीन नमक उपकर वसूली करने के प्रशासन

पर परामर्श देना तथा नमक उद्योग के विकास के लिये सामान्य अभ्युपायों की सिफारिश करना होगा जैसे :—

- (1) अनुसंधान केन्द्र, आदर्श फार्म तथा नमक कारखाने की स्थापना तथा रख-रखाव
- (2) नमक का ग्रेड निर्धारित करना तथा इसकी क्वालिटी में सुधार करना,
- (3) निर्यात और विकास को बढ़ावा देना,
- (4) नमक उत्पादों में सहकारी प्रयत्नों को बढ़ावा और प्रोत्साहन देना,
- (5) नमक उद्योग में नियुक्त श्रमिकों के कल्याण कार्य,
- (6) सामान्य रूप से नमक उद्योग का विकास करने से संबंधित अन्य मामले ।

प्रादेशिक बोर्डों का कार्य इसी आधार पर अपने संबंधित क्षेत्रों के बारे में केन्द्रीय बोर्ड को सिफारिश करना होगा ।

2. केन्द्रीय तथा प्रादेशिक बोर्डों का पुनर्गठन निम्न प्रकार होगा :—

क:- केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड:-

अध्यक्ष : निदेशक, नमक प्रशासन से संबंधित, औद्योगिक विकास मंत्रालय ।

सदस्य गण:-

2. उप सचिव, 'नमक' प्रशासन से संबंधित, औद्योगिक विकास मंत्रालय ।
3. निदेशक, केन्द्रीय नमक तथा मेरीन रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर ।
4. महानिदेशक, तकनीकी विकास, औद्योगिक विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, अथवा उसका प्रतिनिधि ।
- 5-6. तामिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात तथा राजस्थान जैसे नमक बनाने वाले प्रमुख राज्य सरकारों के दो प्रतिनिधि जिन्हें क्रमशः केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा । तामिलनाडु तथा राजस्थान प्रत्येक सरकार से वर्तमान बोर्ड के कार्यकाल तक के लिये एक प्रतिनिधि होगा ।
- 7-8. क्रम सं० 5-6 में उल्लिखित राज्यों को छोड़कर शेष राज्यों के प्रतिनिधि केन्द्रीय सरकार द्वारा क्रमशः नामित किये जायेंगे । पंजाब तथा उड़ीसा सरकारों से वर्तमान बोर्ड के कार्यकाल तक के लिये एक एक प्रतिनिधि होगा ।

9-13-केन्द्रीय सरकार द्वारा (1) तामिलनाडु (2) आन्ध्र-प्रदेश (3) पश्चिम बंगाल (4) महाराष्ट्र (5) गुजरात राज्यों से एक ऐसा व्यक्ति जिन्हें केन्द्रीय सरकार के मत से इस क्षेत्र में ज्ञान तथा नमक बनाने का अनुभव हो, नामित किया जायेगा, अर्थात् :

- (1) श्री आर० बी० रगानी,
प्रबंध निदेशक,
मेट्रूर केमिकल् ऐंड इंडस्ट्रियल कारपोरेशन,
लि०, 7-सेकन्ड लाइन ब्लैक, मद्रास,
मद्रास ।

- (2) श्री सू० सूर्यनारायण राय,
अण्णा हाउस,
विशाखापत्तनम (आंध्रप्रदेश) ।
- (3) प्रबंध निदेशक,
में० ईस्ट कास्ट साल्ट ऐंड केमिकल इंडस्ट्रीज लि०,
सरदार पटेल हाल प्रेमिजेज,
भुवनेश्वर (उड़ीसा) ।
- (4) श्री ए० एम० भिवंडीवाला
583, चोरा बाजार,
बम्बई ।
- (5) श्री जी० टी० रामदार,
भावनगर साल्ट ऐंड केमिकल इंडस्ट्रीज,
कुंदन कुंज, भावनगर ।

14. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक व्यापार का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जायेगा, अर्थात् :

श्री श्रीनिवास फतेहपुरिया,
द्वारा मे० जमनादास श्रीनिवास (प्रा०) लि०,
82/2, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट,
कलकत्ता-71 ।

15-16. दो व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से सार्वजनिक मामलों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जायेंगे, अर्थात्

(i) श्री नुरुल इस्लाम,
एडवोकेट, हुवरी,
आसाम ।

(ii)
(नाम की घोषणा बाद में की जायगी) ।

17. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जायगा ।

(नाम बाद में घोषित किया जायेगा) :-

18. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक पर आधारित रसायन उद्योग का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जायगा, अर्थात् :

श्री के० वकील,
महाप्रबंधक,
सौराष्ट्र, केमीकल्स,
पोरबन्दर (गुजरात)

19. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक बनाने वाली सहकारी समितियों के कार्यों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जायेगा अर्थात् :

श्री बी० सीतारमैया,
अध्यक्ष,

हुमा साल्ट प्रोडक्शन सेल्स कोऑपरेटिव सीसाइटो लि०,
गंजम (उड़ीसा)

सदस्य-सचिव:-

20. नमक आयुक्त ।

टिप्पण :-—रेल मंत्रालय, परिवहन मंत्रालय, राज्य व्यापार निगम तथा 'निर्यात संवर्धन जो वाणिज्य मंत्रालय का एक स्कंध है के प्रति निधियों के केन्द्रीय सलाहकार परिषद की बैठक में, जब आवश्यकता होगी, भाग लेने के लिये आमन्त्रित किया जायेगा ।

ख: प्रादेशिक सलाहकार परिषद:-

(1) तामिलनाडु

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त ।

सदस्यगण

(2) तामिलनाडु सरकार को एक प्रतिनिधि ।

(3)-(4). दो व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जायेंगे ।

(नाम की घोषणा बाद में की जायगी) ।

(5)-(6). विदेशी व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से इस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जायेंगे ; अर्थात्

(i) श्री के० वी० गोपालन,
लेस्सी, थिल्लई साल्ट फैक्टरी,
5, संयुमार स्ट्रीट,
त्रियलीकेन, मद्रास-5

(ii) श्री एस० एस० पी० रंगास्वामी नाडार,
अध्यक्ष नमक निर्माता तथा व्यापारी संघ, तूती-
कोरीन ।

(7)-(8). दो व्यक्ति जिन्हें उसकी राय में सार्वजनिक मामलों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जायेंगे अर्थात् :-

(i) (नाम की घोषणा बाद में की जायगी) ।

(ii) श्री एच० एस० रामालिंगन, एम० एल० ए०, तूती-
कोरीन ।

सदस्य सचिव

(9) उप-नमक आयुक्त मद्रास ।

2. आंध्र प्रदेश

अध्यक्ष

1. लवण आयुक्त ।

सदस्य

2. आंध्र प्रदेश सरकार एक प्रतिनिधि ।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा दो ऐसे व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उसकी राय में, श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव प्राप्त है ।

(नामों की बाद में घोषणा की जायगी) ।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा दो ऐसे व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें इस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, अर्थात्,

1. श्री ए० सुर्यनारायण मूर्ति,

अप्पन्ना हाउस, विशाखापत्तनम ।

2. श्री आर धर्म राव, वी० ए० वी० एल०,

प्रबंध निदेशक,

गुरनाथ एंड अप्पा राव कंपनी, विशाखापत्तनम ।

7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हों, अर्थात् :-

1. (नाम बाद में घोषित किया जायेगा) ।

2. (नाम बाद में घोषित किया जायेगा) ।

सदस्य सचिव

9. लवण उपायुक्त, मद्रास ।

3. पश्चिमी बंगाल और उड़ीसा

अध्यक्ष

1. लवण आयुक्त ।

सदस्य

2-3. पश्चिमी बंगाल तथा उड़ीसा सरकार का एक एक प्रतिनिधि ।

4-5. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें, उसकी राय में, श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव हो :-

(नामों की बाद में घोषणा की जायगी) ।

6-7. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें, उसकी राय में, क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हों ।

1. श्री एम० युसुफ,

अध्यक्ष,

उड़ीसा साल्ट मैनुफैक्चरिंग एसोसियेशन,

उड़ीसा बाजार, कटक-1

2. श्री दीपक मंडल,

ग्रेट बंगाल साल्ट कंपनी कोन्ट्रै (पश्चिमी बंगाल) ।

8-10. तीन व्यक्तियों केन्द्रीय सरकार द्वारा नामजद किये जाने हैं जिन्हें सरकार के मत से सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात्

I. (नामों की बाद में घोषणा की जायगी) ।

II. वहीं

III. वहीं

सदस्य सचिव

11. नमक सहायक अयुक्त कलकत्ता

4. महाराष्ट्र

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त

सदस्य

2. महाराष्ट्र सरकार का एक प्रतिनिधि,
3-4. दो ऐसे व्यक्तियों को केन्द्रीय सरकार नामजद करेगी जिन्हें सरकार के मत से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो :

(नामों की बाद में घोषणा की जायेगी) ।

- 5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव प्राप्त हो,

1. श्री जयन्तीनाथ त्रिभुवन दास,
अध्यक्ष,
बोम्बे साल्ट मर्चेन्ट्स और शिलोर्टीज एस०,
583, चीरा बाजार, बम्बई-2 ।

2. श्री एम० एस० कोतवाल,
द्वारा मैसर्स बोम्बे साल्ट मर्चेन्ट्स एंड शिलोर्टीज एसो-
सियेशन, 483, चीरा बाजार,
बम्बई-2 ।

- 7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उसके विचार से सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात् :—

(नामों की बाद में घोषणा की जायेगी) ।

9. उद्योग निदेशक, गोआ, दमन व दीव, सरकार, पणजी ।

सदस्य सचिव

1. नमक उपायुक्त, बम्बई ।

5. गुजरात**अध्यक्ष**

1. नमक आयुक्त ।

सदस्य

2. गुजरात सरकार का एक प्रतिनिधि,
3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उसके विचार से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो—
(नामों की बाद में घोषणा की जायेगी) ।

- 5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें सरकार के मत से उस क्षेत्र में नमक बनाने की जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात्

1. श्री अल्लाह रक्खा पी० कुरैशी,
जम्पा बाजार, सूरत ।
2. श्री कल्याणभाई टी० शाह,
द्वारा गुजरात व्यापार महामंडल,
डाकखाना 162, अहमदाबाद

- 7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें उसके विचार से सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हो :—

(नामों की बाद में घोषणा की जायेगी) ।

9. उद्योग निदेशक, गोआ, दमन व दीव सरकार, पणजी ।

सदस्य सचिव

1. नमक उपायुक्त, बम्बई ।

राजस्थान**अध्यक्ष**

- (1) लवण आयुक्त ।

सदस्य

2. राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधि ।

- 3-4. दो व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा नामजद किये जायेंगे जिन्हें श्रमिक समस्याओं की जानकारी तथा अनुभव होगा :—

(नामों की घोषणा बाद में की जाएगी) ।

- 5-6. दो ऐसे व्यक्तियों को केन्द्रीय सरकार नामजद करेगी जिन्हें उसके विचार में उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव होगा, अर्थात्

2. श्री पी० के० चौधरी,
डी० 75, मीरा मार्ग,
बानी पार्क, जयपुर ।

2. उप-सचिव

राज्य उद्यम विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर, (राजस्थान) ।

- 7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा दो व्यक्ति नामित किये जाने हैं, जो सरकार के मत से सार्वजनिक कार्य का ज्ञान और अनुभव रखते हों, अर्थात् :—

- 1 (नाम बाद में घोषित किया जायेगा) ।
2 श्री पी० एम० कादजू, भूतपूर्व संसद सदस्य, मालवीय मार्ग,
“सी” स्कीम, जयपुर (राजस्थान) ।

सदस्य सचिव

9. उप लवण आयुक्त (मुख्यालय), जयपुर ।

- 3(क). केन्द्रीय और क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों का कार्यकाल इनके गठन की तारीख से 2 वर्ष का होगा ।

(ख). बोर्ड में यदि गैर-सरकारी स्थान रिक्त होता है तो केन्द्रीय सरकार रिक्त स्थान को भरने के लिये तथा नामांकन करेगी । इस प्रकार नामित व्यक्ति बोर्ड की शेष अवधि के लिये पदभार संभाल लेगा ।

(ग) यदि मनोनीत व्यक्ति बैठक में उपस्थित होने में असमर्थ है तो वह यथास्थिति केन्द्रीय क्षेत्रीय बोर्ड के चेयरमैन को लिखित रूप में इस बात की सूचना देगा ।

(घ) केन्द्रीय बोर्ड की बैठक के लिये 7 और क्षेत्रीय बोर्डों की बैठक के लिये 3 की गणपूर्ति होगी, केवल पश्चिमी बंगाल और उड़ीसा के क्षेत्रीय बोर्डों में गणपूर्ति 4 से होगी ।

(ङ) प्रत्येक गैर-सरकारी सदस्य जो केन्द्रीय या क्षेत्रीय बोर्ड या बोर्डों की सिफारिश पर विधिवत गठित उप-समिति की बैठक में भाग लेगा, नियमाधीन स्वकीय या भारत सरकार द्वारा समय-समय पर स्वीकृत यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा ।

(1) यात्रा और दैनिक भत्तों के मामले में केन्द्रीय और क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों के गैर-सरकारी सदस्यों के बिलों पर प्रतिहस्ताक्षर करने के लिये निम्नलिखित अधिकारी नियंत्रण अधिकारी होंगे :—

क्रम	नमक के लिए सलाहकार संस्था बोर्ड का नाम	नियंत्रण अधिकारी
1	2	3
(1)	नमक की केन्द्रीय सलाहकार लवण आयुक्त, जयपुर परिषद ।	
(2)	तमिलनाडु की क्षेत्रीय नमक लवण उप-आयुक्त, मद्रास । सलाहकार परिषद ।	
(3)	आन्ध्र प्रदेश की क्षेत्रीय नमक लवण उप-आयुक्त, मद्रास । सलाहकार परिषद ।	
(4)	पश्चिम बंगाल और उड़ीसा लवण सहायक आयुक्त, की क्षेत्रीय नमक सलाहकार कलकत्ता । परिषद ।	
(5)	महाराष्ट्र की क्षेत्रीय नमक लवण उप-आयुक्त, बम्बई । सलाहकार परिषद ।	
(6)	गुजरात की क्षेत्रीय नमक लवण उपयुक्त, बम्बई । सलाहकार परिषद ।	
(7)	राजस्थान की क्षेत्रीय नमक लवण उप-आयुक्त, बम्बई । सलाहकार परिषद ।	

(2) क्षेत्री बोर्डों के सभी सदस्य, जो संसद के सदस्य हैं, केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की बैठकों में भाग ले सकते हैं और किसी विशिष्ट क्षेत्र से केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य जिनको नमक उत्पादन का ज्ञान और अनुभव है, उस क्षेत्रीय की सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग ले सकते हैं ।

(ब) गैर-सरकारी सदस्य केन्द्रीय या क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड जैसी भी स्थिति हो, के चेयरमैन को पत्र लिखकर अपने पद से त्याग दे सकता है ।

(छ) यदि गैर-सरकारी सदस्य भारत छोड़ता है तो वह भारत छोड़ने से पूर्व संबंधित बोर्ड के चेयरमैन को अपने प्रस्थान की तारीख और भारत को वापिस आने की संभावित तारीख से संबंधित में सूचित करेगी और यदि उसका 6 महीने से अधिक अवधि के लिये भारत से अनुपस्थित रहने का इरादा हो तो वह अपना त्यागपत्र देगा । यदि कोई सदस्य उपर्युक्त का पालन किये बिना भारत से बाहर जाता है तो यह समझा जायगा कि उसके भारत से प्रस्थान की तारीख से त्यागपत्र दे दिया है ।

(ज) संबंधित चेयरमैन, सदस्य ने अपना पद रिक्त कर दिया है, यह घोषित करेगा :—

(1) यदि वह दिवालिया हो जाता है, या

(2) यदि वह किसी अपराध के लिये दंडित किया जाता है जो केन्द्रीय सरकार के विचार में आचरण भ्रष्टता का काम है, या

(3) यदि वह बोर्ड के चेयरमैन से अनुपस्थिति की छुट्टी दिये बिना बोर्ड की लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है, या

(4) यदि, केन्द्रीय सरकार की राय में, उसका बोर्ड का सदस्य बना रहना अवांछनीय है ।

(झ) बोर्डों के सचिव, केन्द्रीय बोर्ड के चेयरमैन की स्वीकृति से अन्य बोर्डों के एक या एक से अधिक गैर-सरकारी सदस्यों को या अन्य व्यक्तियों को बोर्ड की किसी बैठक में भाग लेने के लिये आमंत्रित कर सकते हैं, और ऐसा सदस्य या व्यक्ति धारा (ड०) के अधीन उल्लिखित यात्रा भत्ता आदि का हक्दार होगा ।

(ञ) चेयरमैन द्वारा निर्धारित स्थान और समय पर बोर्ड की बैठक होगी ।

(ट) भारत में उपस्थित प्रत्येक सदस्य को प्रत्येक साधारण बैठक के लिये बैठक होने से कम से कम 15 दिन पहले समय और स्थान के बारे में सूचना दी जायगी और प्रत्येक सदस्य की उस बैठक में निपटायें जाने वाले कार्य की सूची दी जायेगी ।

विहित है कि चेयरमैन द्वारा बुलाई गई आपात बैठक में इस प्रकार की सूचना अवश्य नहीं होगी ।

(ठ) किसी भी कार्य पर, जो कार्य सूची में नहीं है, बिना संबंधित बोर्ड के चेयरमैन की पूर्वानुमति से विचार नहीं किया जायगा ।

(ड) चेयरमैन जिस बोर्ड की बैठक में उपस्थित हैं, उसकी अध्यक्षता करेगा । यदि चेयरमैन किसी बैठक में अनुपस्थित हैं तो उपस्थित सदस्य अपने में से किसी एक को सभा की अध्यक्षता करने के लिये चुनेगी और इस सभा में ऐसा चुना हुआ सदस्य चेयरमैन की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा ।

(ड) बोर्ड की बैठक में प्रत्येक प्रश्न पर निर्णय उपस्थित और उस प्रश्न पर मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से किया जायगा, मतों के बराबर होने पर चेयरमैन एक अतिरिक्त मत देगा ।

(ण) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही भारत में उपस्थित सभी सदस्यों को परिचालित की जायेगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक में लिखी जायेगी, जो स्थायी अभिलेख के लिये रखी जायेगी प्रत्येक बैठक की कार्यवाही के अभिलेख पर बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर होंगे ।

(त) किसी क्षेत्र में उप-कर से व्यय किये जाने वाले व्यय प्रस्तावों पर पहले क्षेत्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा । इसके लिये प्रस्ताव का व्योरा सहित प्रारंभिक आंकलन और अन्य आवश्यक आंकड़ों सहित इसकी अनुमानित लागत क्षेत्र अधिकारियों द्वारा तैयार की जायगी । क्षेत्री बोर्ड की सिफारिश सहित प्रस्तावों पर केन्द्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायगा ।

चालीस हजार रुपये तक का प्रत्येक विकासात्मक कार्य और श्रमिक कल्याण कार्य केन्द्रीय बोर्ड की अंतिम सिफारिशों के लिये भेजे बिना ही क्षेत्रीय बोर्डों द्वारा स्वीकार किये जा सकेगा ।

(थ) केन्द्रीय बोर्ड की सिफारिशें स्वीकृति के लिये केन्द्रीय सरकार को भेजी जायेंगी, उसके बाद विस्तृत अनुमान तैयार किये जायेंगे । अनुमान सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत होंगे ।

(द) केन्द्रीय बोर्ड या किसी अन्य क्षेत्रीय बोर्ड के कार्य या कार्यवाही को किसी रिक्त के होने पर या केन्द्रीय बोर्ड या अन्य क्षेत्रीय बोर्डों के गठन में त्रुटि को आधार बना कर जैसी भी स्थिति हो चुनौती नहीं दी जायेगी।

आवश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमंडल सचिवालय और प्रधान मंत्री सचिवालय को भेज दिया जाये।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र के भाग 1 खंड 1 में प्रकाशित किया जाये।

आर० वी० सुब्रह्मण्यन, अवर सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1971

सं० एफ० 16-5/68 वाई० एस० आई० (3)--- शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एफ० 16-5/69 वाई० एस० 1 (3) दिनांक 17-4-69 के क्रम में,

श्री कांति चौधरी

संयुक्त सचिव,

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली

अथवा उनके द्वारा मनोनीत किये गये व्यक्ति को 14-11-1970 से अगले आदेशों तक के लिये राष्ट्रीय शरीरिक शिक्षा और क्रीड़ा संस्थानों की सोसायटी के शासी मंडल का प्रदेन सदस्य नामजद किया जाता है।

वी० एन० बहादुर, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1971

संकल्प

यूनेस्को के सहयोगार्थ भारतीय राष्ट्रीय आयोग

सं० एफ० 13-2/71-आई० एन० सी०---भारत सरकार के संकल्प सं० एफ० 39-1/66-आई० एन० सी० दिनांक 7 अक्टूबर, 1969 में अधिसूचित यूनेस्को के सहयोगार्थ भारतीय राष्ट्रीय आयोग के संविधान के परिच्छेद 4 के पैरा 2 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयोग के अध्यक्ष सहर्ष आयोग के संविधान के परिच्छेद 5 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :-

I. परिच्छेद 5—सदस्यता प्राकृतिक विज्ञान उप-आयोग

1 क्रम संख्या (4) के बाद जोड़ें

“(5) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक नामित सदस्य।

(6) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का एक नामित सदस्य।”

पुनः संख्यांकित किया जाए

(1) क्रम संख्या “5” को “(7)”।

(2) क्रम संख्या “(6)” से “(10)” को “(8)” से “(12)”।

II राष्ट्रपति के आदेश डाक सं० सी० डी० 213/71-दिनांक 3 मई, 1971 द्वारा अधिसूचित भारत सरकार (व्यवसाय विनिधन) (88वां संशोधन) नियम 1971 के अनुसरण में भारत सरकार उपरिलिखित आयोग के संविधान में निम्नलिखित और संशोधन करती है :-

1. भारत सरकार के संकल्प सं० एफ० 39-1/66-आई० एन० सी० दिनांक 7 अक्टूबर, 1969 में जहां कहीं शिक्षा और “युवक सेवा मंत्रालय” हो उस के स्थान पर “शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में शिक्षा विभाग” लिखा जाय।

2. भारत सरकार के संकल्प सं० एफ० 39-1/66-आई० एन० सी० दिनांक 7 अक्टूबर, 1969 में जहां कहीं “शिक्षा और युवक सेवा मंत्री” हो तो उसके स्थान पर “शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री” लिखा जाय।

टी० पी० सिंह, सचिव

श्रम नियोजन एवं पुनर्वास मंत्रालय

(नियोजन एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)

नई दिल्ली दिनांक 24 मई 1971

संकल्प

सं० ई०ई० 1/200/10/71—श्रम, नियोजन एवं पुनर्वास मंत्रालय, श्रम एवं नियोजन विभाग (नियोजन एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय) के संकल्प सं० एम० पी० 10 (110)/69 दिनांक 25 जनवरी, 1971 में आंशिक परिवर्तन करते हुए पश्चिमी बंगाल शासन के विास आयुक्त श्री एम० एम० कुसारी को, श्री वी० सी० गांगुली के स्थान पर, बेरोजगारी के संबंध में विशेषज्ञों की समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत सरकार के राजपत्र के भाग 1 अनुभाग (I) में प्रकाशित किया जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों/संघीय क्षेत्रों के प्रशासनों तथा संबंधित अन्य सभी को भेजी जाय।

ईश्वर चन्द्र, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT*New Delhi, the 21st July 1971*

No. 38-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Kanhaiya Lal Mishra.

Sub-Inspector of Police,

District Chhatarpur,

Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Shri Kanhaiya Lal Mishra was posted as Station Officer at Bhagwan Police Station. On 1st May, 1970, at about 1200 hours, he received information about the presence of notorious dacoit Nanhai Singh along with his associates. Shri Mishra rushed to the hide-out of the dacoit with the available Police force. On reaching the hide-out he divided the Police party into three groups. The Police party No. 1 headed by Shri Mishra was to search Kalara Nallah. While searching the Nallah, Shri Mishra and his party reached within about 50 yards of the place where the dacoits were hiding. The dacoits opened fire on the Police and tried to escape. In complete disregard of his personal safety and without taking a cover Shri Mishra chased the dacoits in disregard of their bullets and shot down dacoit Nanhai Singh and two other dacoits of his gang. In this operation, he also captured one more dacoit.

In the encounter Shri Kanhaiya Lal Mishra exhibited courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st May, 1970.

No. 39-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ram Chander Yadav.

Inspector of Police,

Bari, District Dholpur,

Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Maharaj Singh Gujar started with petty thefts and in a short period he started committing dacoities and kidnappings in Sawai Madhopur district and other adjoining districts of Rajasthan and Uttar Pradesh. He soon gained great notoriety and became a terror in these districts. In June 1970 Maharaj Singh kidnapped two Baniyas from a passenger bus on the highway and demanded a large ransom. This incident created great panic in the minds of the public. Shri Narayan Singh, Superintendent of Police took upon himself the task of liquidating this dacoit. He selected Shri Ram Chander Yadav, Inspector of Police, for assisting him in this task.

On 27th July, 1970, information was received by Shri Ram Chander Yadav about the presence of dacoit Maharaj Singh in the dense forest near village Baidpura. Shri Ram Chander proceeded towards village Baidpura and by coincidence he saw dacoit Maharaj Singh coming to collect rations in the same village. Maharaj Singh at once took up position and started firing on the Police party in order to scare them away. Shri Yadav also took up position and returned the fire. Though Shri Yadav was taken by surprise, he did not lose his balance of mind and exchanged some shots with dacoit Maharaj Singh. While firing, Shri Yadav took up position behind the trunk of a tree and the other members of the Police party took positions on the flanks. Shri Yadav then crawled to a vulnerable spot from where the dacoit was visible. In complete disregard of the risk involved he then shot the dacoit dead.

In this encounter Shri Ram Chander Yadav displayed exemplary gallantry.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th July, 1970.

No. 40-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Amitabh Gupta,

Superintendent of Police,

Sawai Madhopur,

Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Dacoit Daulatia an accomplice of dacoit Maharaj Singh was wanted by the Police in a number of cases of murder, dacoity, loot and kidnapping. After the death of dacoit Maharaj Singh in July, 1970, Daulatia held two kidnapped boys lifted by Maharaj Singh's gang. These boys were kidnapped from a bus operating between Dholpur and Bharatpur on a highway in broad day light. Shri Amitabh Gupta while camping at village Karauli got a report that Daulatia was likely to enter Masalpur area of his district. Next day, information was received by him that Daulatia was planning to kill the kidnapped boys. Shri Gupta collected the Police force available and started in search of the outlaw. At about 3 A.M. on 30th July, 1970, the Police party reached village Lakhimpur Ghati. They left the vehicles and started on foot, as the dacoit was likely to be alerted by the lights of the vehicles. After covering a distance of about 4 miles, the police party heard a low whisper of human beings. After assessing that the whispers were those of dacoit Daulatia and the two kidnappers, the Police encircled the place. Daulatia got scent of the movements of the Police and took up position. Shri Gupta crawled towards the dacoit and when he was hardly about 25 paces from him, Daulatia opened fire from his automatic carbine towards him, but Shri Gupta kept up his balance of mind and fired two shots from his guns which hit the dacoit in his chest.

In this operation, Shri Amitabh Gupta displayed great valour and courage and wiped out a hardened criminal.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

No. 41-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Rifles :—

Name and rank of the officer

Shri Ram Parsad Tati.

Rifleman No. 2798,

2nd Battalion, Manipur Rifles,

Imphal,

Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 31st July, 1970, information was received that a gang of hostiles was camping in thick jungles in a village in Ukhrul Sub-Division and was planning to attack and snipe on the Security Forces. In the evening of 3rd August, 1970, a Manipur Rifles column was detailed to attack the hostiles. When the vehicles were at some distance from the hide-out of the hostiles, the Police party stopped their vehicles and started on foot. After trekking through thick jungles, the column, on reaching the camp of the hostiles, divided itself into three groups. Shri Ram Parsad Tati was a member of the assaulting group. The other two groups were to move from left and right flanks with a view to encircle the gang. When this group had hardly covered a distance of about 100 yds., Shri Ram Parsad found himself on the perimeter of the camp of the hostiles face to face with their sentry. They were not able to see each other earlier because of poor visibility. On seeing Shri Ram Parsad, the sentry pulled out his rifle and aimed at him. Unmindful of his personal safety, Shri Ram Parsad sprinted at the sentry and grappled with him. As a result of the noise created because of the scuffle of the sentry and Shri Ram Parsad, the hostiles took to their heels. The Police column recovered a large number of documents and arms and ammunition from the camp of the hostiles.

In this encounter Shri Ram Parsad Tati showed conspicuous gallantry in grappling with the sentry of the hostiles.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th August, 1970.

No. 42-Pres./71.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers

Shri Inder Singh,
Subedar,
8th Battalion,
Central Reserve Police Force.
Shri Karan Bahadur,
Company Havildar Major No. 9040,
8th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

In July, 1969, a Platoon of 8th Battalion, Central Reserve Police Force, was deployed at Marath and two platoons were deployed in Lakhemei in the far flung hilly areas of Manipur, to check the activities of the hostiles, who were plundering money and property of the villagers at gun-point. On the night of 5th July, 1969, the hostiles organised an attack to annihilate this solitary Police post. Because of the intense fog, the hostiles manoeuvred to reach unobserved within grenade throwing distance of the Police Post. On obtaining the information about the suspicious movement of the hostiles, Shri Inder Singh ordered his men to "stand to" while he himself proceeded to the sentry post. By this time the hostiles had surrounded the post from three directions and opened fire with automatic weapons, and hurled hand grenades. But Shri Inder Singh remained undeterred and continued to direct and control the fire of his men by moving from position to position and instructing and encouraging the Police personnel in utter disregard of his personal safety. Because of the remarkable determination and courage shown by Shri Inder Singh the hostiles retreated. In this incident, Shri Karan Bahadur was entrusted with the task of going round the inner peri-meter, to ensure that every man was in position to defend the area allotted to him. Shri Karan Bahadur carried out the assigned task unflinchingly and made judicious adjustments due to the absence of some men from the post that night. He remained unruffled in the face of the enemy fire and moved from position to position in absolute disregard of his personal safety. He also used the strategy of giving fake orders loudly for an assault on the hostiles.

In the encounter Shri Karan Bahadur exhibited gallantry and commendable courage.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th July, 1969.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 14th July 1971

RESOLUTION

No. 4/65/70-TEX(C).—The Government of India have decided to nominate Shri Rahmatullah Ansari, Baqabad, Varanasi (U.P.), as a member of the All India Handloom Board reconstituted under Government of India late Ministry of Foreign Trade and Supply Resolution No. 4(27)-TEX-(C)/69, dated 17th May, 1969, published in Part I Section 1 of the Gazette of India Extraordinary, dated 19th May, 1969.

2. The member has been added at Serial No 36 of the above Resolution.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED also that a copy of the Resolution be sent to all concerned.

H. K. BANSAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (Department of Steel)

New Delhi, the 16th July 1971

RESOLUTION

No. COY-4(14)/71.—The requirements of shunting locomotives of the Steel Industry to meet the replacement needs and also those of expansion to existing capacities have been progressively increasing in the past few years and are expected to increase considerably in the coming years in view of the Steel Development Programme. Till now, the steel plants have been depending largely on imports to meet their requirements. With the progressive advance in the manufacturing capacities of shunting locomotives within the country, it is essential that future requirements should be met, to the maximum extent possible, from indigenous sources. This would result not only in substantial savings in foreign exchange but also help reduce inventories of spares. Having regard to these factors Government have decided to set up a Technical Committee to examine the problem of standardisation of locomotives in the appropriate HP ranges to meet the requirements of the Steel Industry. The terms of reference of this Committee shall be as under :—

- (a) To make a realistic quantitative assessment of the requirements for the ten-year period commencing from 1974 of locomotives in different HP ranges for the existing steel plants for normal replacements and for their proposed expansions as well as for the three new plants to be set up in the Southern region;
- (b) To evolve suitable technical specifications for the locomotives keeping in view the special condition of operation obtaining in the Steel Industry, including the question whether transmission should be diesel hydraulic or diesel electric;
- (c) To assess the existing installed capacity available in the country for the manufacture of shunting locomotives for the Steel Industry and to recommend concrete proposals for augmenting the capacity, to the extent considered necessary.
- (d) Any other matter germane to the subject.

2. The composition of the Committee will be as follows :

Chairman

1. Additional Member (Mechanical), Railway Board.

Member and Alternate Chairman

2. Shri T. C. Pant, Director Standards (Mechanical), Research Designs and Standards Organisation, Ministry of Railways, Lucknow.

Members

3. Shri N. Padmanabhan, Director Standards (Electrical) Research, Design and Standards Organisation, Ministry of Railways, Lucknow.
4. Shri K. S. Ramaswamy, Chief Mechanical Engineer, Chittaranjan Locomotive Works.
5. Shri B. Appu Rao, Director (Production) Hindustan Steel Limited, Ranchi.
6. Shri K. N. Venkateswar, Chief Traffic Manager, Bokaro Steel Limited, Bokaro.
7. Shri B. P. Vidyarthi, Diesel Maintenance Engineer, Tata Iron and Steel Company Ltd., Jamshedpur.
8. Shri J. A. Deshpande, Development Engineer, Indian Iron and Steel Company Ltd., Burnpur.
9. Shri M. M. Suri, Industrial Consultant.
10. Shri N. T. Gopala Iyengar, Industrial Adviser, Director General of Technical Development.

Member Secretary

11. Shri M. Ramji,
Deputy Secretary,
Ministry of Steel and Mines,
Department of Steel.

The Committee should submit its Report as early as possible but not later than 31st December, 1971.

ORDER

ORDERED that copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. V. RAMANATHAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 13th July 1971

RESOLUTION

No. 20-4/70-HEM.—Reference this Ministry's Resolution No. 20-4/70-HEM, dated the 16th March, 1970 constituting a Committee to review the activities of and to advise on the research and Development programme of the Research and Development Organisation for Electrical Industry, Bhopal.

2. As Shri B. D. Pande, Secretary, Industrial Development has relinquished the charge of this post in this Ministry, Shri B. B. Lal, Secretary in the Ministry of Industrial Development is nominated as Chairman of the said Committee with immediate effect, in place of Shri B. D. Pande.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it is published in the Gazette of India for general information.

N. J. KAMATH, Jt. Secy.

New Delhi, the 9th July 1971

RESOLUTION

No. 07011/1/70-Salt.—In supersession of the late Ministry of Industrial Development and Company Affairs Resolution No. 9(1)/67-Salt, dated the 14th June, 1968, the Government of India have decided to reconstitute the Central and the Regional Advisory Boards for Salt. The functions of the Central Board will be to advise the Government of India on the administration of the proceeds of the salt cess levied under Section 3 of the Salt Cess Act, 1953, and to make recommendations generally for measures conducive to the development of the salt industry, e.g.

- (i) establishment and maintenance of research stations, model farms and salt factories;
- (ii) fixing the grades of salt and improving its quality;
- (iii) development of exports;
- (iv) promoting and encouraging co-operative effort among manufacturers of salt;
- (v) promoting the welfare of labour employed in the salt industry; and
- (vi) any other matter pertaining to the development of the salt industry in general.

The functions of the Regional Boards will be to make recommendations on similar lines to the Central Board in so far as their respective areas are concerned.

2. The composition of the reconstituted Central and Regional Boards will be as follows :—

A. Central Advisory Board

Chairman

1. Director, Ministry of Industrial Development, concerned with the administration of 'Salt'.

Members

2. The Deputy Secretary, Ministry of Industrial Development concerned with the administration of 'Salt'.
3. The Director, Central Salt & Marine Chemicals Research Institute Bhavnagar.
4. The Director General Technical Development Ministry of Industrial Development, New Delhi or his representative.

5-6. Two representatives from the Government of the major salt producing States of Andhra Pradesh, Maharashtra, Tamilnadu, Gujarat and Rajasthan to be nominated by the Central Government by rotation. The representatives during the tenure of the present Board will be one each from the Governments of Tamil Nadu and Rajasthan.

7-8. Two representatives from the Governments of the States other than those mentioned at S. Nos. 5 & 6 above to be nominated by the Central Government by rotation. The representatives during the tenure of the present Board will be one each from the Governments of Punjab and Orissa.

9-13. One person each to be nominated by the Central Government from the States of (1) Tamil Nadu (2) Andhra Pradesh (3) West Bengal and Orissa (4) Maharashtra and (5) Gujarat, who, in the opinion of the Central Government, has knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

- (i) Shri R. V. Ramani, Managing Director, Mettur Chemical & Industrial Corporation Ltd., 7, Second Line Beach, Madras-1.
- (ii) Shri A. Suryanarayan Rao, Appana House, Vishakhapatnam (A.P.).
- (iii) Managing Director, M/s. East Coast Salt & Chemical Industries Ltd., Sardar Patel Hall, Premises, Bhubaneswar (Orissa).
- (iv) Shri A. H. Bhiwindiwala, 583, Chira Bazar, Bombay.
- (v) Shri G. T. Kamdar, Bhavnagar Salt & Chemical Industries, Kundan Kunj, Bhavnagar.

14. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of the salt trade namely :—

Shri Srinivas Fatehpuria, C/o M/s. Jamnadas Srinivas (P) Ltd., 82/2, Mukhtar Babu Street, Calcutta-7.

15-16. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, namely :—

- (i) Shri Nurul Islam, Advocate, Dhubri, Assam.
- (ii) (Name will be announced later).

17. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of labour problems :—

(Name will be announced later).

18. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of the salt-based chemical industries, namely :—

Shri S. K. Vakil, General Manager, Saurashtra Chemicals, Porbunder (Gujarat).

19. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of the functioning of the salt manufacturing co-operative societies, namely :—

Shri V. Sitaramayya, President, Humma Salt Production Sales Cooperative Society Ltd., Gunjam (Orissa).

Member-Secretary

20. The Salt Commissioner.

NOTE :—Representatives of the Ministry of Railways, Ministry of Transport, State Trading Corporation and the 'Export Promotion' Wing of the Ministry of Commerce may be invited to attend the meeting of the Central Advisory Board, when necessary.

B. Regional Advisory Boards :

(1) TAMIL NADU

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

2. A representative of the Government of Tamil Nadu.

- 3-4. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Names will be announced later).

- 5-6. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri K. V. Gopalan, Lessee, Thillai Salt Factory, 5, Sunkumar Street, Triplicane, Madras-5.

(ii) Shri S. S. P. Rangaswamy Nadar, President, The Salt Manufacturers and Merchants Association, Tuticorin.

- 7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, namely :—

(i) (Name will be announced later).

(ii) Shri S. Ramalingam, M.L.A., Tuticorin.

Member-Secretary

9. The Deputy Salt Commissioner, Madras.

(2) **ANDHRA PRADESH**

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

2. A representative of the Government of Andhra Pradesh.

- 3-4. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Names will be announced later).

- 5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri A. Suryanarayana Murthy, Appanna House, Visakhapatnam.

(ii) Shri R. Dharma Rao, B.A., BL, Managing Director, Gurunath & Appa Rao Co., Visakhapatnam.

- 7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public Affairs namely :—

(i) (Name will be announced later).

(ii) (Name will be announced later).

Member Secretary

9. The Deputy Salt Commissioner, Madras.

(3) **WEST BENGAL AND ORISSA**

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

- 2-3. A representative each of the Governments of West Bengal and Orissa.

- 4-5. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Name will be announced later).

- 6-7. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri M. Yusuf, President, Orissa Salt Manufacturers Association, Oriya Bazaar, Cuttack-1.

(ii) Shri Depak Mondal, Great Bengal Salt Co., Contai (West Bengal).

- 8-10. Three persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, namely :—

(Names will be announced later).

Member Secretary

11. The Assistant Salt Commissioner, Calcutta.

(4) **MAHARASHTRA**

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

2. A representative of the Government of Maharashtra.

- 3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Names will be announced later).

- 5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri Jayantilal Tribhovandas, President, Bombay Salt Merchants and Shilotries Association, 583, Chira Bazar, Bombay-2.

(ii) Shri M. S. Kotwal, C/o. M/s. Bombay Salt Merchants and Shilotries Association, 583, Chira Bazar, Bombay-2.

- 7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs namely :—

(Names will be announced later).

9. The Director of Industries, Government of Goa, Daman and Diu, Panaji.

Member Secretary

10. The Deputy Salt Commissioner, Bombay.

(5) **GUJARAT**

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

2. A representative of the Government of Gujarat.

- 3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Names will be announced later).

- 5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri Allarakha P. Qureshi, Jampa Bazar, Surat-1.

(ii) Shri Kalyanbhai T. Shah, C/o. Gujarat Veepar Maha Mandal, P.O. No. 162, Ahmedabad.

- 7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs namely :—

(i) (Names to be announced later).

9. Director of Industries, Government of Goa, Daman and Diu, Panaji.

Member Secretary

10. The Deputy Salt Commissioner, Bombay.

(6) **RAJASTHAN**

Chairman

1. The Salt Commissioner.

Members

2. A representative of the Government of Rajasthan.

- 3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems :—

(Names will be announced later).

- 5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, namely :—

(i) Shri P. K. Choudhry, D, 85, Mira Marg, Bani Park, Jaipur.

- (ii) Deputy Secretary, State Enterprises Department, Government of Rajasthan, Jaipur (Rajasthan).

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs namely :—

- (i) (Name will be announced later),
(ii) Shri P. N. Kathju, Malviya Marg, 'C' Scheme, Jaipur (Rajasthan).

Member Secretary

9. The Deputy Salt Commissioner (Headquarters), Jaipur,

3. (a) The Central and the Regional Advisory Boards will have a term of 2 years from the date of their constitution.

(b) If a non-official seat on a Board falls vacant, the Central Government shall make fresh nominations to fill up the vacancy. The person so nominated shall hold office for the unexpired portion of the term of the Board.

(c) If a nominated member is unable to attend a meeting, he will intimate the fact in writing addressed to the Chairman of the Central or the Regional Board, as the case may be.

(d) The quorum for a meeting shall be 7 for the Central Board and 3 for the Regional Boards except for the West Bengal and Orissa Regional Board for which the quorum shall be 4.

(e) Every non-official member attending a meeting of the Central or Regional Board or of a sub-committee duly constituted on the recommendation of the Board shall be entitled to travelling allowance and daily allowance as admissible under the rules or approved by the Central Government from time to time.

(i) The following officers will be the Controlling Officers for the purpose of countersigning the bills of the non-official members of the Central & Regional Advisory Boards in respect of the travelling & daily allowances :—

Serial No., Name of the Advisory Board for Salt and Controlling Officer

- (i) Central Advisory Board for Salt—Salt Commissioner Jaipur.
(ii) Tamil Nadu Regional Advisory Board for Salt—Deputy Salt Commissioner, Madras.
(iii) Andhra Pradesh Regional Advisory Board for Salt—Deputy Salt Commissioner, Madras.
(iv) West Bengal & Orissa Regional Advisory Board For Salt—Assistant Salt Commissioner, Calcutta.
(v) Maharashtra Regional Advisory Board for Salt—Deputy Salt Commissioner, Bombay.
(vi) Gujarat Regional Advisory Board for Salt—Deputy Salt Commissioner, Bombay.
(vii) Rajasthan Regional Advisory Board for Salt—Deputy Salt Commissioner, Bombay.

(2) All M.P. Members of the Regional Boards may attend the meetings of the Central Advisory Board and members of the Central Advisory Board having knowledge and experience of salt manufacture from a particular area may attend the meetings of the Regional Advisory Board for that area.

(f) A non-official member may resign his office by letter addressed to the Chairman of the Central or Regional Board, as the case may be.

(g) If a non-official member leaves India, he shall intimate to the Chairman of the Board concerned, before leaving India, the date of his departure from and the date of his expected return to India, and, if he intends to be absent from India for a period longer than 6 months, he shall tender his resignation. If any such member leaves India without complying with the above, he shall be deemed to have resigned with effect from the date of his departure from India.

(h) A member shall be declared by the Chairman concerned to have vacated his office :

- (i) If he becomes insolvent, or
(ii) If he is convicted of any offence, which, in the opinion of the Central Government, involves moral turpitude, or
(iii) If he is absent from 3 consecutive meetings of the Board without leave of absence from its Chairman, or
(iv) If, in the opinion of the Central Government, it is undesirable that he should continue to be a member of the Board.

(i) The Secretary of the Boards, with the approval of the Chairman of the Central Board, may invite one or more non-official members of other Boards or other persons to attend any meeting of a Board, and such members or persons shall be entitled to travelling allowance etc. as indicated under clause (e).

(j) The Board shall meet at such place and time as may be appointed by its Chairman.

(k) A notice shall be given to every member present in India of the time and place fixed for each ordinary meeting at least 15 days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at that meeting.

Provided that when an emergent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary.

(l) No business, which is not on the list, shall be considered by a meeting without the prior permission of the Chairman of the Board concerned.

(m) The Chairman shall preside over the meeting of the Board at which he is present. If the Chairman is absent from any meeting, the members present shall elect one of the members to preside over the meeting and the member so elected shall, at that meeting exercise all the powers of the Chairman.

(n) Every question at a meeting of the Board shall be decided by a majority of votes of the members present and voting on that question. In the case of an equal division of votes, the Chairman shall give an additional vote.

(o) The proceedings of each meeting of the Board shall be circulated to all members present in India and thereafter recorded in a Minute Book, which shall be kept for permanent record.

The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman of the Board.

(p) Proposals for expenditure in a Region to be met from the proceeds of the Cess shall be considered first by the Regional Board. For this purpose, preliminary estimates detailing the proposals and its estimated cost together with other necessary data shall be prepared by the Regional Officers. The proposals together with the Regional Board's recommendation shall then be considered by the Central Board.

Works of developmental nature and labour welfare, costing upto Rs. 40,000/- each, may be approved for execution by the Regional Boards themselves without referring them to the Central Advisory Board for their final recommendations.

(q) The recommendations of the Central Board shall be submitted to the Central Government for acceptance after which detailed estimates shall be prepared. The estimates shall be sanctioned by competent authority.

(r) No act or proceeding of the Central Board or any of the Regional Boards shall be called in question on the ground merely of the existence of any vacancy, in, or defect in the constitution of the Central Board, or, as the case may be, any of the Regional Boards.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all State Governments, all Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat and Prime Minister's Secretariat.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

R. V. SUBRAHMANYAN, Addl. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 28th June 1971

No. F. 16-568YSI(3).—In continuation of the Ministry of Education & Social Welfare Notification No. F.16-5/68YSI-(3), dated 17-4-69,

Shri Kantil Chaudhuri

Joint Secretary

Ministry of Education & Social Welfare

New Delhi

or his nominee is nominated as an *ex-officio* Member of the Board of Governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports with effect from 14-11-70, until further orders.

V. N. BAHADUR, Under Secy.

New Delhi, the 2nd July 1971

RESOLUTION*Indian National Commission for Co-operation with UNESCO*

No. F. 13-2/71-INC.—In exercise of the powers vested in him under paragraph 2 of Article IV of the Constitution of the Indian National Commission for Co-operation with UNESCO, notified in the Government of India Resolution No. F. 39-1/66-INC, dated the 7th October 1969, the President of the Commission is pleased to make the following amendments in Article V of the constitution of the Commission :—

I. Article V—Membership—Natural Sciences Sub-Commission
1. Add after serial No. (4) :

“(5) One nominee of the Indian Council of Agricultural Research,

(6) One nominee of the Indian Council of Medical Research.”

2. Renumber :

(i) Serial No. “(5)” as “(7)”

(ii) Serial Nos. “(6) to (10)” as “(8) to (12)”.

II. In pursuance of the ‘Government of India (Allocation of Business) (Eighty-eighth Amendment) Rules, 1971’, notified by Presidential Order Doct No. CD-213/71, dated 3rd May 1971, the Government of India is pleased to make the following further amendments in the Constitution of the Commission referred to above :—

1. For

“Ministry of Education and Youth Services” wherever occurring in the Government of India Resolution No. F. 39-1/66-INC, dated 7th October 1969.

Substitute

“Department of Education in the Ministry of Education and Social Welfare.”

2. For

“Minister of Education and Youth Services” wherever occurring in the Government of India Resolution No. F. 39-1/66-INC, dated 7th October 1969.

Substitute

“Minister of Education and Social Welfare”.

ORDER

ORDERED that the Resolution be communicated to all the individual and institutional members of the Indian National Commission for Cooperation with Unesco, all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments/Union Territories, Planning - Commission, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Prime Minister's Secretariat and President's Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, for general information.

T. P. SINGH, Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour & Employment)

(D.G.E.T.)

New Delhi, the 25th May 1971

RESOLUTION

No. EE1/200/10/71.—In modification of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment (Directorate General of Employment and Training) Resolution No. MP-10(110)/69, dated the 25th January, 1971, Shri M. M. Kusari, Development Commissioner, Government of West Bengal, is appointed as a member of the Expert Committee on Unemployment vice Shri B. C. Ganguli.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Governments/Administrations of Union Territories and all other concerned.

ISHWAR CHANDRA, Jt. Secy.

